Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

# ARJUN BATCH

## CLASS 11th | GEOGRAPHY

# अपवाह तंत्र

## अध्याय-3 | भाग-6

**एकदम BASIC से!**



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# आज क्या पढ़ेंगे ?

1 गंगा नदी अपवाह तंत्र

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# गंगा नदी

- उद्गम = गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से
- ऊँचाई = 3900 मीटर
- उत्तरकाशी जिले (उत्तराखण्ड)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## नोट

- यहाँ यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- यह मध्य व लघु हिमालय श्रेणियों को काट कर तंग महाखड्डों से होकर गुजरती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## जोशीमठ (विष्णुप्रयाग)

- धौली गंगा + विष्णु गंगा = अलकनंदा
- अलकनंदा का स्त्रोत सतोपथ हिमनद है।

## कर्ण प्रयाग

- पिंडार नदी अलकनंदा में विलय

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

## रुद्रप्रयाग

मंदाकिनी (काली गंगा) अलकनंदा में विलय

## देवप्रयाग

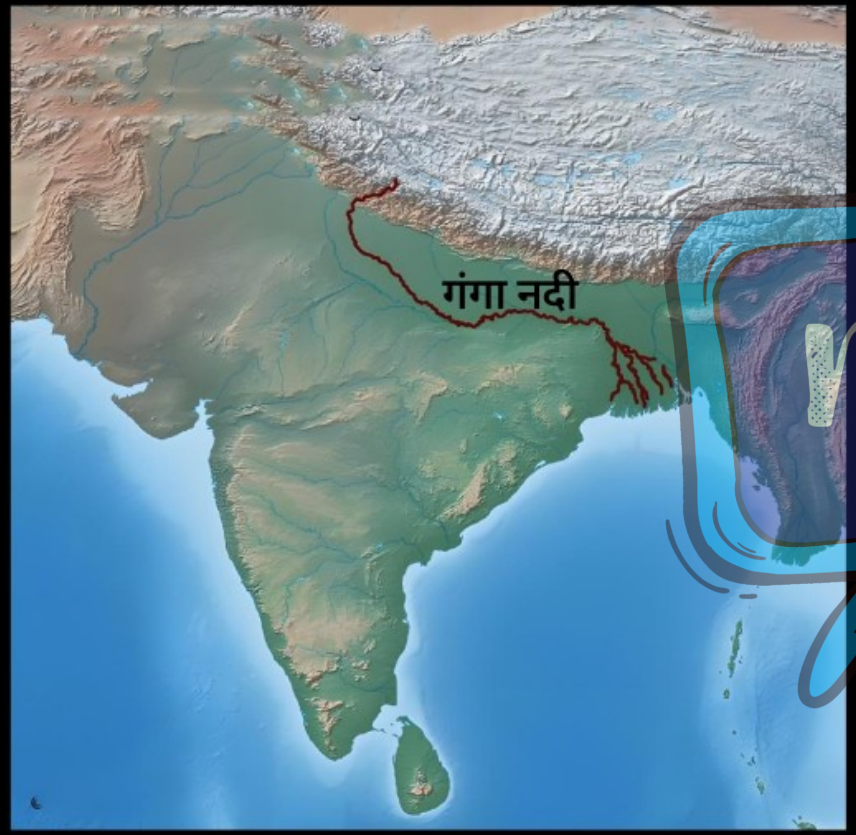
भागीरथी + अलकनंदा = गंगा

## प्रयाग

गंगा व यमुना संगम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




- गंगा नदी हरिद्वार में मैदान में प्रवेश करती है।
  - यहाँ से यह पहले दक्षिण की ओर,
  - फिर दक्षिण-पूर्व की ओर
  - फिर पूर्व की ओर बहती है।
  - अंत में यह दक्षिणमुखी होकर दो जलवितरिकाओं (धाराओं) भागीरथी और पदमा में विभाजित हो जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

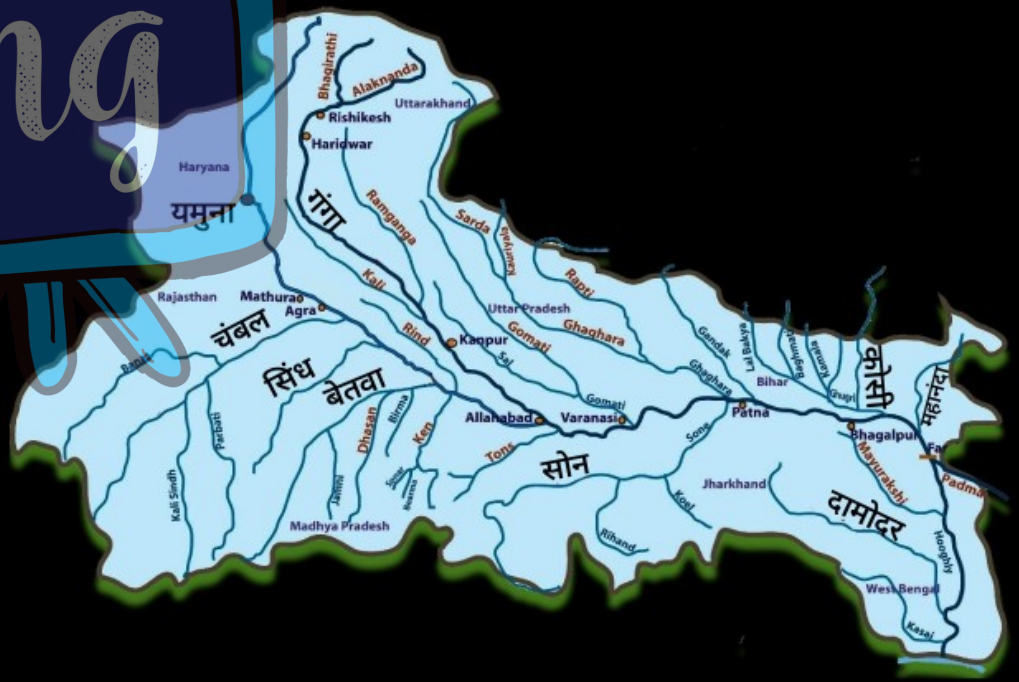



- लंबाई
  - 2525 किलोमीटर
  - उत्तराखण्ड → 110 किलोमीटर
  - उत्तरप्रदेश → 1450 किलोमीटर
  - बिहार → 445 किलोमीटर
  - पश्चिम बंगाल → 520 किलोमीटर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अपवाह क्षेत्र
  - भारत में लगभग 8.6 लाख वर्ग किलोमीटर
  - भारत का सबसे बड़ा अपवाह तंत्र

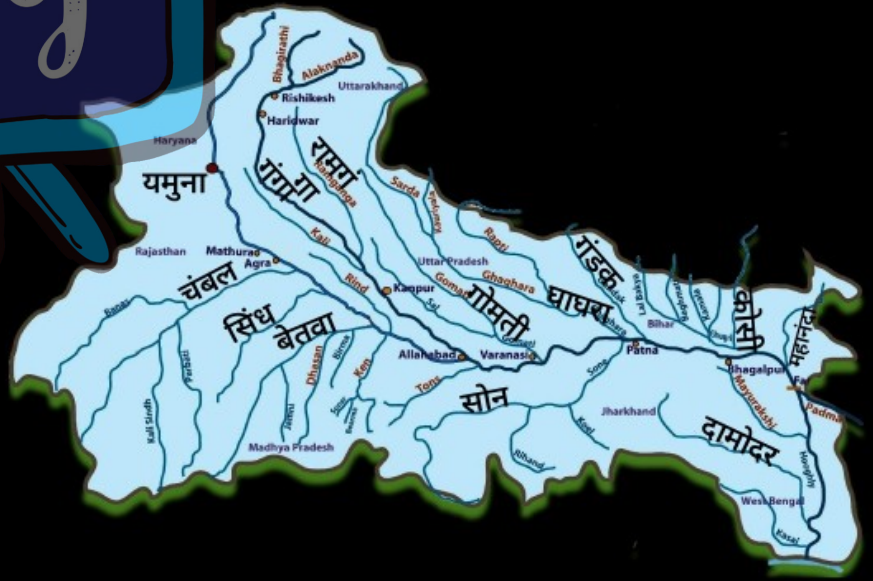


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

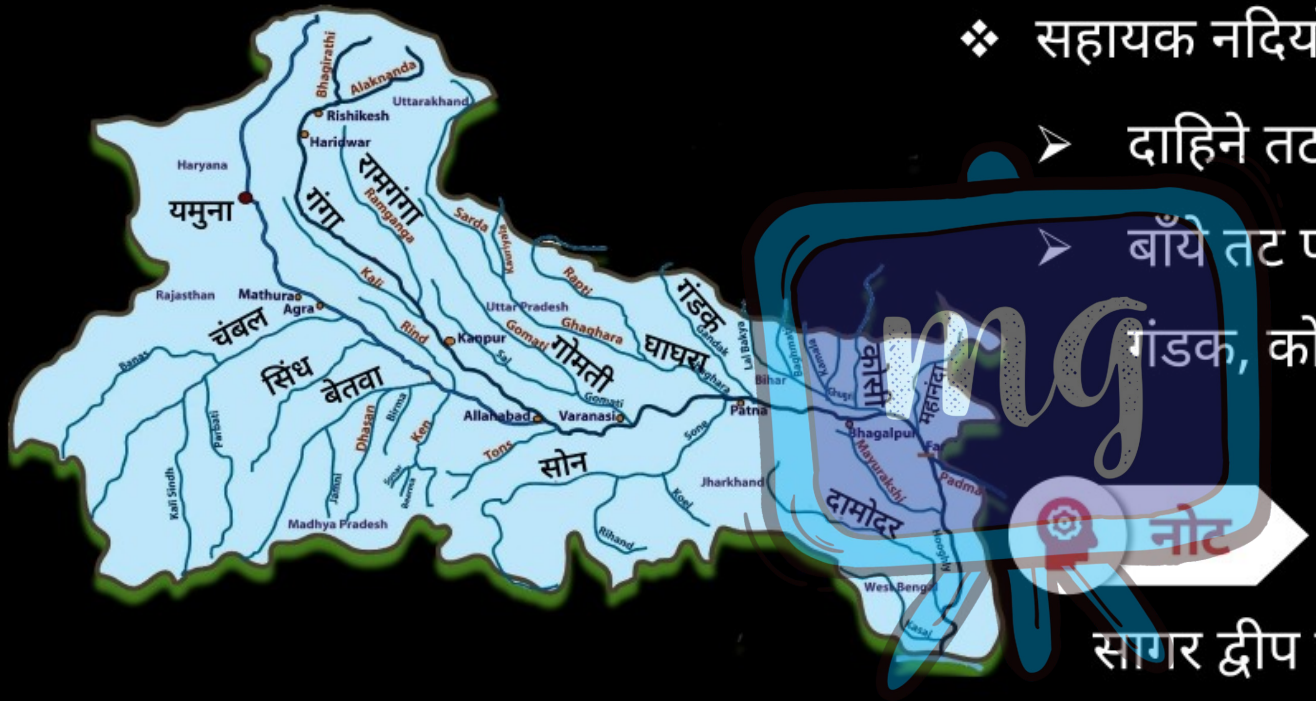
## नोट

- उत्तर में हिमालय से निकलने वाली बारहमासी व अनित्यवाही नदियाँ और दक्षिण में प्रायद्वीप से निकलने वाली अनित्यवाही नदियाँ शामिल हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




- सहायक नदियाँ
  - दाहिने तट पर → सोन , यमुना
  - बाँये तट पर → रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी व महानंदा

सागर द्वीप के निकट यह नदी अंततः बंगाल की खाड़ी में जा मिलती है।

नोट

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



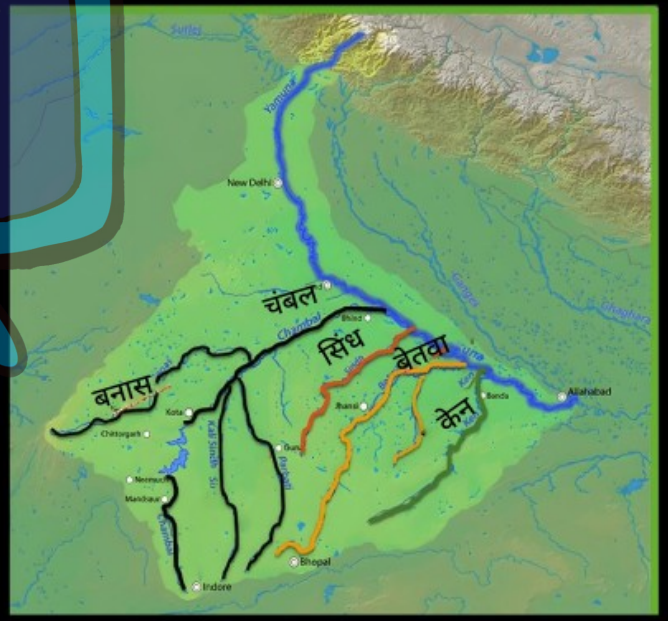
# यमुना

- उद्गम → यमुनोत्री हिमनद
  - हिमालय में बंदरपूँछ श्रेणी की पश्चिमी ढाल पर
  - 6316 मीटर ऊँचाई पर
- गंगा की सबसे पश्चिमी नदी
- सबसे लंबी सहायक नदी
- गंगा से संगम = प्रयाग (इलाहाबाद) में

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सहायक नदियाँ
  - दाहिने तट पर = चंबल, सिंध, बेतवा व केन
  - बाँये तट पर = हिंडन, रिद, सेंगर, वरुणा



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## नोट

- यमुना का अधिकांश जल सिंचाई उद्देश्यों के लिए पश्चिमी और पूर्वी यमुना नहरों तथा आगरा नहर में आता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



## चंबल नदी

- उद्गम = मालवा पठार में महु के निकट (मध्य प्रदेश)
- उत्तरमुखी होकर एक महाखड्ड से बहती हुई
- राजस्थान में कोटा पहुँचती है
- कोटा →बूँदी → सवाई माधोपुर → धौलपुर→ यमुना
- चंबल खड्ड → उत्खात् भूमि वाली भू-आकृति
- बाँध → गांधीसागर बाँध (कोटा )

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# गंडक नदी

- उद्गम = धौलागिरी व माऊंट एवरेस्ट के बीच (नेपाल हिमालय)
- कालीगंडक + त्रिशूलगंगा = गंडक नदी



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## नोट

- मध्य नेपाल को अपवाहित करती है।
- बिहार के चंपारन जिले में यह गंगा मैदान में प्रवेश करती है
- पटना के निकट सोनपुर में गंगा नदी में जा मिलती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# घाघरा नदी

- उद्गम → मापचाचुँगों हिमनद से
- सहायक नदियाँ → तिला, सेती व बेरी



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## नोट

- घाघरा नदी शीशापानी में एक गहरे महाखड्ड का निर्माण करते हुए पर्वतीय भाग से बाहर निकलती है।
- शारदा नदी (काली या काली गंगा) इससे मैदान में मिलती है
- छपरा में यह गंगा नदी में विलीन हो जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



## शारदा या सरयू नदी

- उद्गम = मिलाम हिमनद ( नेपाल हिमालय )
- उद्गम स्थल पर नाम → गौरीगंगा
- भारत – नेपाल सीमा के साथ बहती हुई, जहाँ इसे काली या चाइक कहा जाता है
- घाघरा नदी मे विलय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# कोसी नदी




- पूर्ववर्ती नदी
- उद्गम → तिब्बत में माऊंट एवरेस्ट के उत्तर में
- मुख्य धारा → अरुण
- नेपाल में, मध्य हिमालय को पार करने के बाद इसमें पश्चिम से सोन, कोसी और पूर्व से तमुर कोसी मिलती है।
- अरुण नदी से मिलकर यह सप्तकोसी बनाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# रामगंगा




- उद्गम → गैरसेन के निकट गढ़वाल की पहाड़ियाँ
- शिवालिक को पार करने के बाद दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर प्रवाहित
- उत्तर प्रदेश में नजीबाबाद के निकट मैदान में प्रवेश
- कन्नौज के निकट यह गंगा नदी में विलय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# दामोदर नदी

- छोटानागपुर पठार के पूर्वी किनारे पर प्रवाहित
- भ्रंश घाटी से होती हुई हुगली नदी में विलय
- मुख्य सहायक नदी → बराकर
- दामोदर घाटी कार्पोरेशन  बहुद्देशीय परियोजना



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

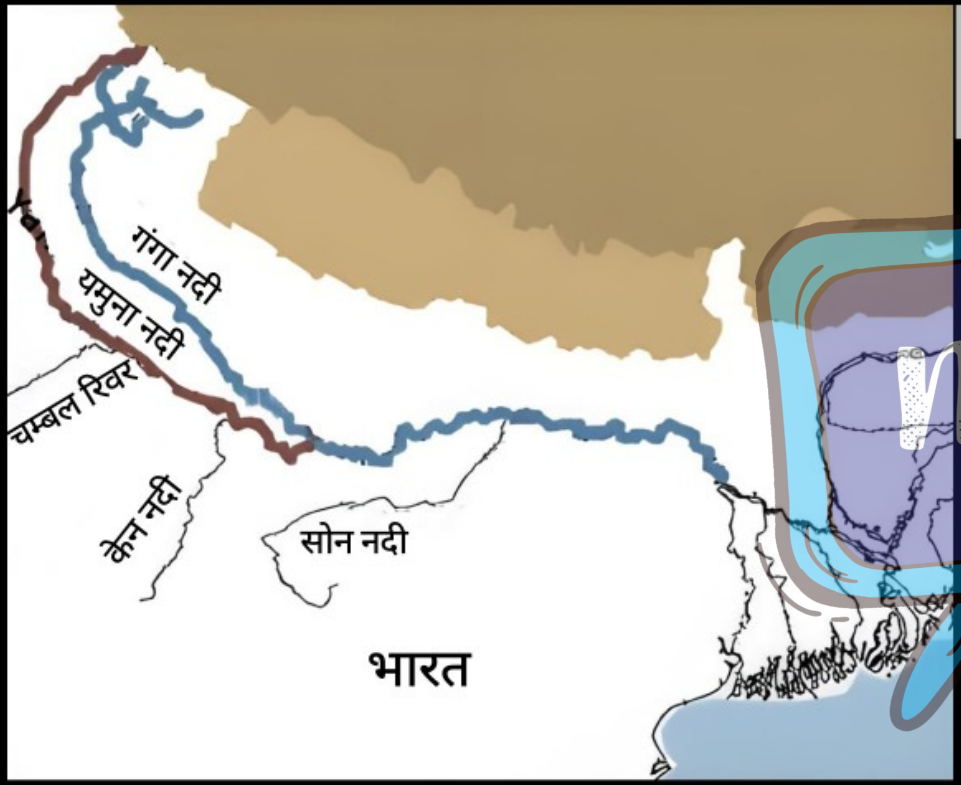
# महानंदा

- उद्गम = दार्जिलिंग पहाड़ियों से
- पश्चिमी बंगाल में गंगा के बाएँ तट पर मिलने वाली अंतिम सहायक नदी है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




# सोन

- उद्गम = अमरकंटक पठार से
- गंगा के दक्षिण तट पर सोन एक बड़ी सहायक नदी
- पठार के उत्तरी किनारे पर जलप्रपातों की श्रृंखला बनाती हुई यह नदी पटना से पश्चिम में आरा के पास गंगा नदी में विलीन।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

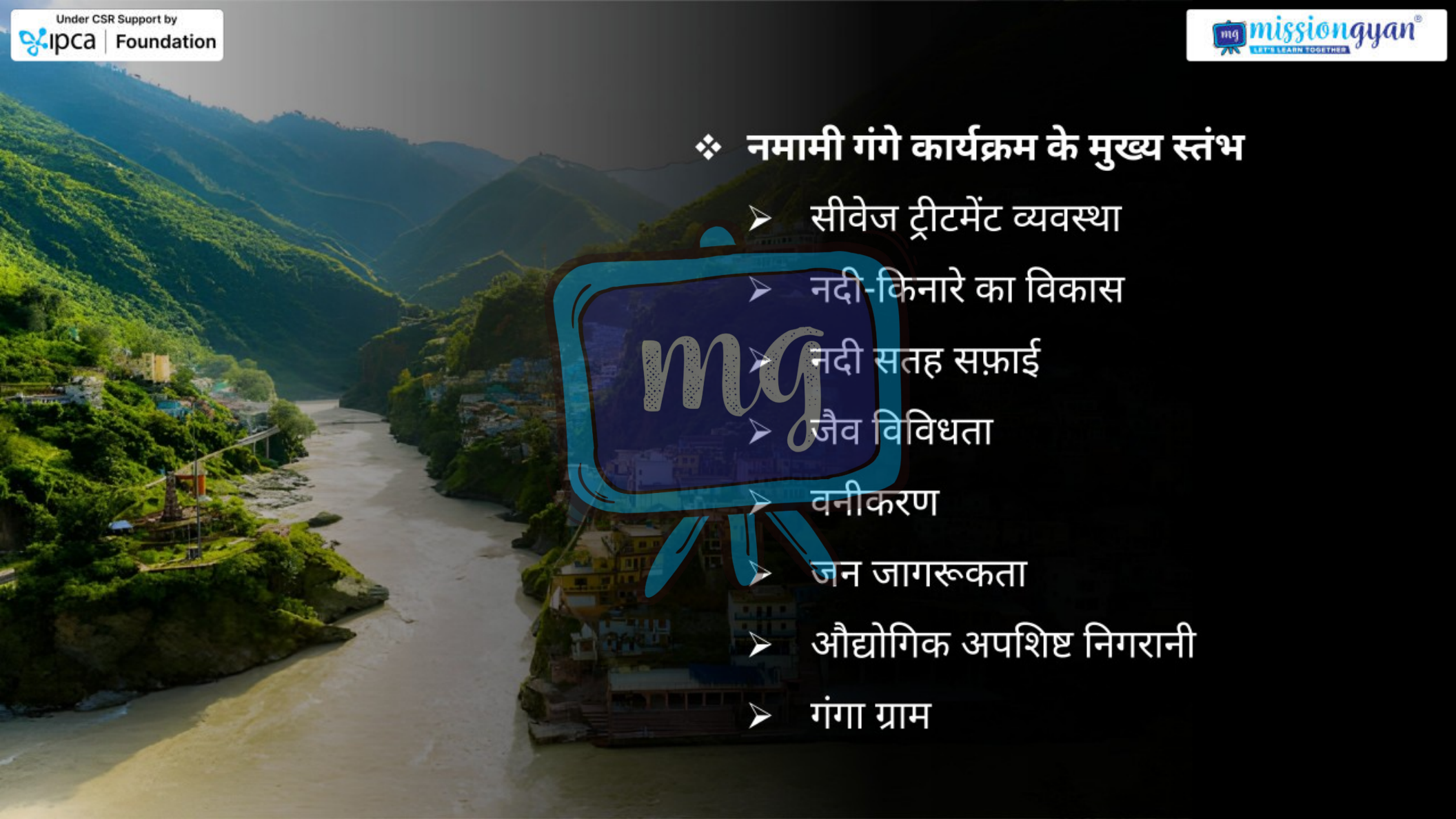



# नमामी गंगे परियोजना

- एक एकीकृत संरक्षण मिशन है,
- जून 2014 में केंद्र सरकार द्वारा 'प्रमुख कार्यक्रम' के रूप में अनुमोदित
- इसमें राष्ट्रीय नदी गंगा से संबंधित दो उद्देश्य हैं-
  i. प्रदूषण के प्रभाव को कम करना
  ii. उसके संरक्षण और कायाकल्प को पूरा करना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



## ❖ नमामी गंगे कार्यक्रम के मुख्य स्तंभ

- सीवेज ट्रीटमेंट व्यवस्था
- नदी-किनारे का विकास
- नदी सतह सफ़ाई
- जैव विविधता
- वनीकरण
- जन जागरूकता
- औद्योगिक अपशिष्ट निगरानी
- गंगा ग्राम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# संविधान

मूल संविधान

↓

अनुसूची – 8

8 → भाषाओं वर्णित

अनुसूची – 12

↳ मूल संविधान – 14 वर्तमान – 22 भाषाएँ

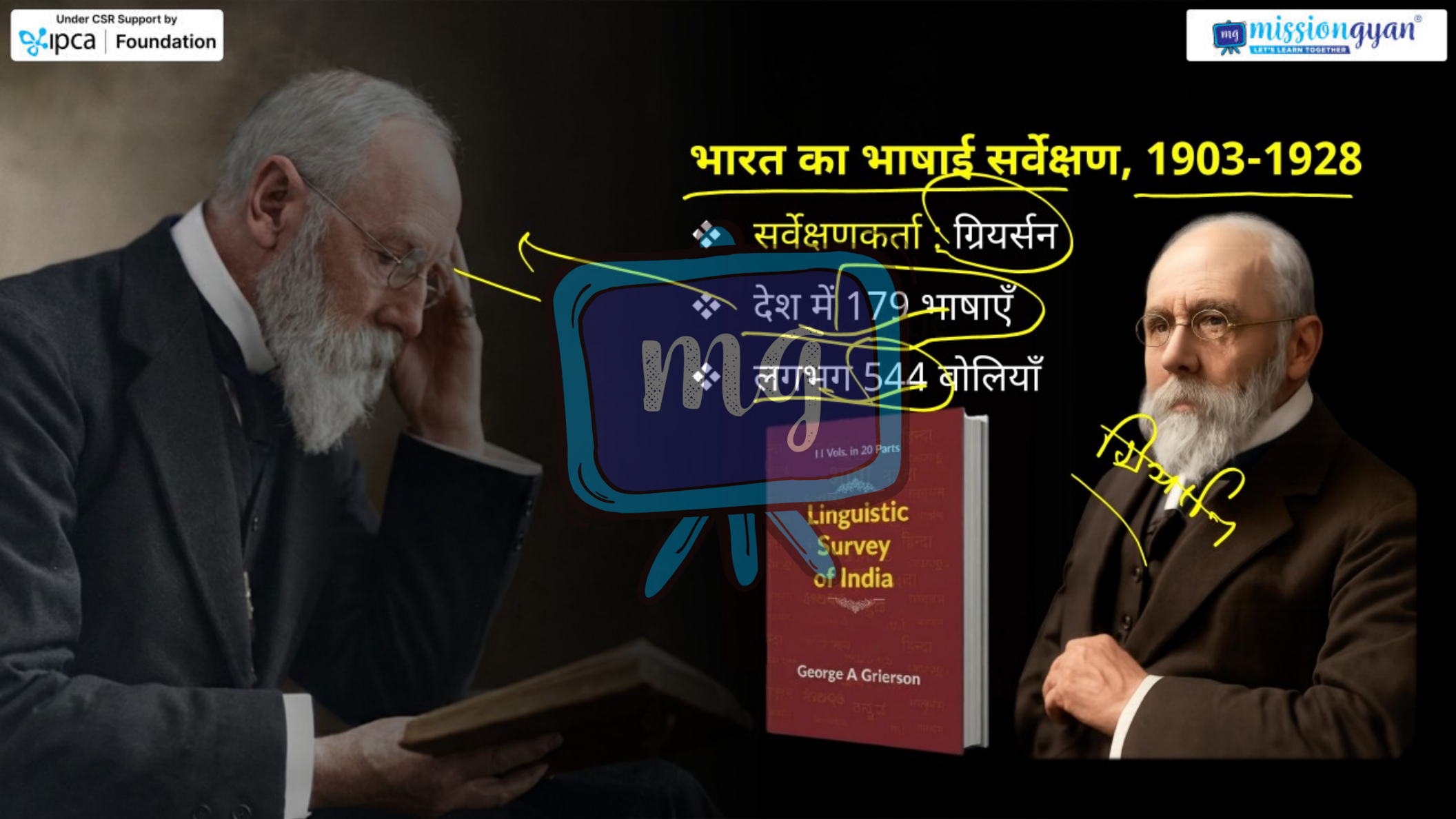
mg

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# भारत का भाषाई सर्वेक्षण, 1903-1928

- सर्वेक्षणकर्ता : ग्रियर्सन
- देश में 179 भाषाएँ
- लगभग 544 बोलियाँ



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

